तांत्रिक आत्मीयता आध्यात्मिक कार्यशाला हेतु मार्गदर्शिका

तंत्र के रहस्य

प्रायोगिक कार्यशाला जहाँ सीधे आपको सूत्र मिलेंगे

अनुक्रम

1. कार्यशाला के विशेष आकर्षणों का वर्णन
पेज - 3 to 13

2. विभिन्न आयोजनों की समय सारिणी
पेज 14 - 22

3. पूर्व प्रतिभागियों के अनुभव
पेज 23 - 24

आयोजन की प्रमुख विशेषताएं

- तंत्र द्वारा शरीर मन की रुग्णताओं से उबरना
- तंत्र शारीरिक ऊर्जा आदान प्रदान
- आत्मिक संबंध
- विपरीत लिंग के आकर्षण को कैसे देखें
- समूह के सदस्यों के साथ आत्मिक संबंध

तंत्र द्वारा शरीर मन की रुग्णताओं से उबरना

हमारा पालन-पोषण ऐसे तरीकों से हुआ है जो हमारे शरीर, मन और आत्मा के ताओ (Tao) के विपरीत हैं।
हमें अप्राकृतिक और दमनकारी सामाजिक रूढ़ियाँ (conditionings) विरासत में मिली हैं, जो हमें खुलकर व्यक्त होने और सहज रहने से रोकती हैं।
उदाहरण के लिए, हम मासिक धर्म या रात में होने वाले स्खलन, जिसे प्रीकम (precum) या प्री-कॉपुलेशन फ्लूइड (pre-copulation fluid) कहते हैं, के बारे में बात नहीं करते।

यह हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इसके कारण तनाव जनित रोग (anxiety disorders), बढ़ा हुआ रक्तचाप (hypertension), और शरीर में सूजन (inflammation) बढ़ सकती है, जो उम्र बढ़ने का कारण बनती है।
तंत्र चिकित्सा (Tantra healing) आपको शुद्ध करती है और बचपन की खोई हुई जड़ों को वापस पाने में मदद करती है।

तंत्र शारीरिक ऊर्जा आदान प्रदान

सभी जीवित प्राणियों में शारीरिक बिजली (body electricity) होती है। धनायन (cations) और ऋणायन (anions) के कारण शरीर आवेशित (charged) होता है।

तंत्रिका आवेगों (nerve impulse) का संचरण एक विद्युत घटना (electric event) है।
बायोफिजिक्स (biophysics) इन सब की जाँच करती है।
जब हम किसी को गले लगाते हैं, किसी को आत्मीयता से छूते हैं या जुनून के साथ किसी प्रियजन की आँखों में देखते हैं, तो यह अभूतपूर्व (unprecedented) तरीके से शरीर की बिजली को नियंत्रित करता है और हम स्वस्थ तथा परिपूर्ण हो जाते हैं।

तंत्र कहता है कि जुनून और आत्मीयता के क्षणों में आप अपने प्रियजन की ऊर्जा का आदान-प्रदान करते हैं। इसके लिए गहरी विश्राम की अवस्था (deep relaxation state) की आवश्यकता होती है, जो केवल इसी घटना में संभव है। यह सेक्स में नहीं होता है।

आत्मिक संबंध

आत्मिक संबंध में तुरंत जाना असंभव है, क्योंकि यह अत्यंत समर्पण (surrender) और विश्राम (relaxation) के माध्यम से होता है।

यह अवस्था गुरु पूर्ण विस्तार के नेतृत्व में समूह के साथ आत्मीय संवाद द्वारा प्राप्त की जाती है।
संवाद तंत्र का आधारशिला (foundation stone) है, और इसीलिए, गुरुजी और समूह के साथ जूम (ZOOM) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र (online training session) सबसे महत्वपूर्ण है।

हमारा समूह मूल्यांकन-मुक्त (non-judgemental) है, और हम अपने सदस्यों के बीच प्रेम और रचनात्मकता (creativity) का संचार करते हैं।
आप यहाँ खुलकर अपने दिल की बात कह सकते हैं, और केवल गुरुजी को सुनकर और बातचीत करके आप एक ध्यानपूर्ण आनंदमय अवस्था (meditative blissful state) में चले जाएंगे।

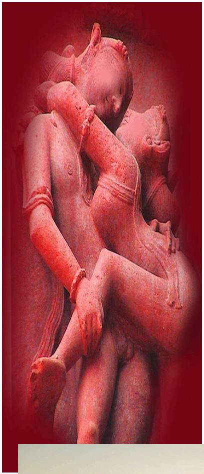

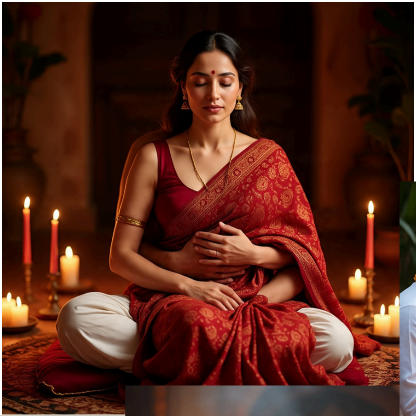

Meta AI

Meta AI

Meta AI

विपरीत लिंग के आकर्षण को कैसे देखें

विपरीत लिंग के प्रति इच्छा बहुत ही सामान्य और वास्तविक घटना है।

जब तक लोग अविवाहित हैं, तब तक यह ठीक है, लेकिन विवाहित या किसी रिश्ते में होने वाले लोगों के लिए यह अक्सर जटिल हो जाता है।

इन स्थितियों पर टिप्पणी करना कठिन है, लेकिन हम सभी जानते हैं कि जो लोग अकेले नहीं हैं, उनके मामलों में यह जटिल हो सकता है। तो, इसके बारे में क्या किया जाना चाहिए !

इससे कैसे निपटा जाए! यह कैसे सुनिश्चित किया जाए कि यह हमारे लिए हानिकारक या खतरनाक न हो और हमारे वैवाहिक जीवन पर गंभीर रूप से असर न पड़े, जैसा कि पूरे भारत में हिंसक घटनाओं में देखा जाता है !

गुरु पूर्ण विस्तार इन सभी प्रश्नों का विस्तार से समाधान करेंगे। बस जुड़े रहें और उनसे संपर्क करें।

विभिन्न आयोजनों की समय सारिणी

दिवस 1 - पेज [14 - 15]
दिवस 2 - पेज [16 - 18]
दिवस 3 - पेज 19
दिवस 4 - पेज 20 - 22

ॐ तंत्र कार्यशाला - दिन 1 का कार्यक्रम: संबंध को जगाना

🌸 सुबह

समय: सुबह 9:00 बजे से 10:00 बजे तक - तंत्र चिकित्सा (Tantra Healing)ओपनिंग सर्कल और रचनात्मक साझाकरण (Opening Circle & Creative Sharing)समय: सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक

स्थान: पेड़ों की छाया के नीचे या धीरे-धीरे जलती हुई रोशनी वाले कमरे में।

प्रवाह:

- स्वागत और परिचय

-बातचीत और कहानी कहने के माध्यम से स्वतंत्र अभिव्यक्ति

-कला, कविता, संगीत, या व्यक्तिगत रचनाओं को साझा करना

-बिना किसी निर्णय के दिल से सुनना और साक्षी बनना

"खुद को प्रकट करने में, हम प्यार के लिए दृश्यमान हो जाते हैं।"

🍃 दोपहर | आत्मिक विश्राम और चिंतन (Soulful Pause & Reflection)

समय: दोपहर 1:00 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक
प्रवाह:
-सात्विक ऊर्जा से भरपूर स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन
-जर्नलिंग (journaling), टहलने या ध्यानपूर्वक आराम करने के लिए शांत समय
-सहज रचनात्मकता के लिए वैकल्पिक कला स्थान

🔥 शाम | संवेदी संबंध और शारीरिक जागरूकता (Sensory Connection & Body Awareness)

समय: शाम 5:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक
प्रवाह:
-इरादे और सम्मान के साथ शारीरिक संबंध पर हल्का मार्गदर्शन
-स्पर्श, श्वास और उपस्थिति में अभ्यास
-आंदोलन और पवित्र स्थिरता के माध्यम से ऊर्जा संरेखण
-प्रतिबिंबों के साथ हल्का समापन चक्र
"स्पर्श लेने के लिए नहीं, बल्कि दूसरे की जीवित लय को महसूस करने के लिए होता है।"

🌺🌺 तंत्र रिट्रीट - दिन 2 का कार्यक्रम: जीवित मंदिर का उत्सव

🌞 सुबह | देहधारी उपस्थिति और जागृत स्पर्श

समय: सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक
स्थान: गद्दे और मुलायम कपड़ों के साथ धूप से गर्म इनडोर जगह।
प्रवाह:
शारीरिक जागरूकता पर आधारभूत ध्यान (Grounding meditation)
-शारीरिक संवेदनशीलता को जगाने के लिए निर्देशित आंदोलन
-एक-दूसरे के स्वरूप को धीरे-धीरे तलाशने और सराहना करने के लिए जोड़ी में अभ्यास
-सहमति और देखभाल के साथ पुष्टि (affirmations) और स्पर्श

"शरीर कोई खोल नहीं है - यह जीवन का एक पुष्पन (flowering) है। इसके हर वक्र का सम्मान करना अस्तित्व की पूजा करना है।"

🍵 दोपहर | पवित्र पोषण और आंतरिक चिंतन

समय: दोपहर 1:00 बजे से 3:30 बजे तक
प्रवाह:
-कामुक बनावट और स्वाद के लिए चुने गए खाद्य पदार्थों के साथ समग्र भोजन (holistic lunch)

-शरीर की कहानियों और आत्म-अवधारणा (self-perception) पर वैकल्पिक लेखन (optional journaling)

-एकल शारीरिक सराहना अनुष्ठान (solo body appreciation ritual): दर्पण कार्य, स्व-स्पर्श, ऐसे कपड़ों का चुनाव जो अभिव्यंजक महसूस हों

🌘 शाम | अलग नज़रिए से प्यार

समय: शाम 5:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक

प्रवाह:

-समूह चक्र (Group circle): "शरीर से प्यार करने" का क्या मतलब है?

-सम्मान का समारोह (Ceremony of honoring): प्रतिभागी एक-दूसरे की उपस्थिति और रूप पर प्रेमपूर्ण विचार बोलते हैं।

-शरीर को श्वास के साथ Harmonize करने के लिए धीमी गति से ध्यान

-एकीकरण (Integration): यह पहचानना कि अपने शरीर से प्यार करने से दूसरों से प्यार करने के लिए द्वार खुलते हैं।

"जब आप अपने शरीर को दिव्य मानते हैं, तो आप सभी शरीरों में दिव्यता देखना शुरू कर देते हैं।"

तीसरा दिन: सामूहिक एकता और आत्मिक संबंध **के अनुष्ठान**

सुबह: हम उन अनुष्ठानों (rituals) पर चर्चा करेंगे जहाँ आप तंत्र आत्मिक संबंध में जुड़ेंगे (इस पर ऑनलाइन कार्यशाला के दौरान, ज़ूम सत्र में चर्चा की जाएगी)।

दोपहर: यह दिन सामूहिक एकता (group bonding) का दिन होगा।

शाम: समूह के सदस्यों के साथ हर दिन घनिष्टता बनेगी, लेकिन यह दिन विशेष रूप से उसी आयाम (dimension) के लिए समर्पित है। इस दिन शाम 5 से 7 बजे तक तंत्र के माध्यम से भी चर्चा की जाएगी।

🌺 **चौथा दिन - दिव्य दर्पण**

सत्र: पवित्र मिलन को देखना

समय: सुबह 10:00 बजे से 11:00 बजे तक।
दो आत्माएं एक नृत्य बन जाती हैं।
इस शांत, पवित्र घंटे में, एक जोड़ा तंत्र की उपस्थिति और ऊर्जा के आदान-प्रदान के माध्यम से आत्मीयता के द्वार खोलेगा। दूसरे लोग चुपचाप इसे देखेंगे - दर्शक के रूप में नहीं, बल्कि जागरूकता के पात्रों (vessels of awareness) के रूप में।
यह प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक मिलन (communion) है।
यह एक ऐसा स्थान है जहाँ साँस प्रार्थना बन जाती है, स्पर्श कविता बन जाता है, और हर नज़र मनुष्य के भीतर छिपे दिव्य को प्रकट करती है।
देखने के माध्यम से, हम समझना शुरू करते हैं:
प्यार वह नहीं है जो हम करते हैं - यह वह है जो हम याद करते हैं।
🕊️ साझा चिंतन (reflection) के क्षण होंगे,
🪷 संचरण (transmission) को अवशोषित करने के लिए हल्की खामोशी होगी,
🌸 और अनुभव को एकीकृत (integrate) करने के लिए निर्देशित संकेत होंगे।
वैसे ही आइए जैसे महासागर किनारे पर आता है - कोमल, चौकस, अनंत।
किसी और की आत्मीयता को अपने दिल के भीतर की तड़प को अनलॉक करने दें।

विपरीत लिंग के आकर्षण को कैसे देखें - दिवस 4

सुबह 11 बजे से - बेतरतीब ढंग से पार्टनर दिए जाएँगे और जोड़े एक-दूसरे का हाथ पकड़कर ध्यान करेंगे। स्त्रियाँ पुरुषों की गोद में बैठेंगी, ताकि नियंत्रण छोड़ सकें और दूसरे की साँसों की लय को महसूस कर सकें।

दोपहर 1 बजे से - हल्की रोशनी में इंस्ट्रूमेंटल संगीत पर जोड़ों का डांस होगा।

दिवस 4

2 बजे से 3 बजे तक - तांत्रिक मालिश (न्यूनतम कपड़ों में)।

- इसके बाद गुरु पूर्ण विस्तार के निर्देशों के अनुसार विविध गतिविधियां।

पूर्व प्रतिभागियों के अनुभव

Sat----er, पटियाला - "मेरी पत्नी आजकल बहुत संतुष्ट रहती है और मेरा आत्म-सम्मान *(self esteem)* पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है।"

Sa--ita, कोलकाता - "इस तांत्रिक प्यार वर्कशॉप ने मेरी शादी बचा ली, वरना मैं किसी अतिरिक्त वैवाहिक संबंध *(extra marital affair)* में पड़ सकती थी। मैंने संवाद *(communication)* की कला सीखी।"

P---hvi, तिरुवनंतपुरम - "मेरी गर्लफ्रेंड अब केवल गुरुजी की वजह से पहले से कहीं अधिक मेरा सम्मान करती है।"

Ra------n, मैसूरु - *"*गुरुजी के तांत्रिक आत्मिक संबंध कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मेरी लाइफ मजेदार हो गई है।*"*

Kaus-----a, लखनऊ - *"* गुरुजी से मिलने और तांत्रिक आत्मिक संबंध कार्यक्रम में भाग लेने से पहले, मैंने *10* पुरुषों के साथ सेक्स किया था। लेकिन, परफेक्ट पुरुषों के साथ डेटिंग करने के बावजूद मैं कभी संतुष्ट नहीं हुई। गुरुजी ने मेरे नजरिए को बदल दिया और अब मैं प्रेम में इतनी गहराई से प्रवेश करती हूँ जैसे यह मेरे पार्टनर के साथ एक प्रार्थना बन गया हो, कि मैं *10* पिछले बॉयफ्रेंड के कुल योग से भी ज्यादा चरमसुख महसूस करती हूँ। गुरुजी ने मुझे अपने पार्टनर से प्यार करना सिखाया , गुरुजी को प्यार*!"*